



“महासभा सदा की भाँति धर्म की रक्षा में कटिबद्ध रहे, धर्म को कभी न भूले और धर्म के विरुद्ध कभी कोई कार्य न करे। धर्म एवं संस्कृति रक्षार्थ जिस प्रकार नियमों का पालन वह अभी तक करती आयी है, आगे भी उनका पूर्ण रूप से पालन करती रहे।”
— चारित्र चक्रवर्ती परम पूज्य श्री 108 आचार्य शांति सागर जी

महाराज द्वारा 26 अगस्त 1955 को दिया गया सन्देश



सन् 1894 में स्थापित, धर्म, आगम, प्राचीन तीर्थ जीर्णोद्धार, प्राचीन कला, संस्कृति, शास्त्र, पांडुलिपि संरक्षण, समाज सेवा तथा आर्ष परम्परा की रक्षा में रत दिगम्बर जैन समाज की प्रतिनिधि संस्था

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के सदस्य बनकर और बनवाकर सहयोग प्रदान कीजिये।

सभासद बनने के नियम—योग्यता—

1. कोई भी दिगम्बर जैन पुरुष, महिला जिसकी उम्र कम से कम 18 वर्ष की हो।
2. जो इस सभा के निश्चित प्रतिज्ञा पत्र पर हस्ताक्षर करके सभा के उद्देश्य और नियमों के अनुसार चलने और आगम विरुद्ध विचारों से सर्वथा असहमत हूँ इसकी प्रतिज्ञा करे।

‘श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा’ का सदस्यता शुल्क :

केंद्रीय स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) — कुल शुल्क (जैन गज़ट के शुल्क रु. 9,900/- सहित) रु. 11,000/- ‘जैन गज़ट’ साप्ताहिक मुख्यपत्र 10 वर्ष तक भेजा जायेगा।

राज्य स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) — कुल शुल्क रु. 300/-
डिजिटल ‘जैन गज़ट’ 10 वर्ष जायेगा।

सदस्यता विकास उपसमिति सदस्यता अभियान

सदस्य बनाने वाले का नाम: पद:
स्थान: मोबाईल नं: ईमेल:

सदस्यता शुल्क पंजाब नेशनल बैंक, राजेन्द्र नगर ब्रान्च, लखनऊ में श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के एकाउण्ट नम्बर 2405 0001 000 33312 में जमा किया जा सकता है, जिसकी डिपोजिट स्लिप प्रेषित करें। कार्यालय में नगद दिया जा सकता है या मनीआर्डर, चैक, बैंक ड्राफ्ट या ऑनलाइन भेजा जा सकता है। ऑनलाइन RTGS/NEFT/IFS के लिए CODE - PUNB 0185 600 है, जिसकी स्क्रीन शॉट की फोटोकॉपी सदस्यता फार्म के साथ निम्न पते पर भेजें:

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा कार्यालय

श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड, मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ— 226004 (उ. प्र.)

फोन: + 91 522 266 2589, 522 266 1021

मोबाइल :+ 91 94151 08233 व्हाट्सएप्प नं. + 91 76079 21391

ईमेल : <dmahasabha@yahoo.com>

www.jaingajat.com

सेवा धर्म, समाज की आगम के अनुकूल।
आर्ष परम्परा की रक्षा महासभा का मूल।।

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा



पोकृत— सोसायटी पंजीयन (राजस्थान) संख्या 18 दिनांक 22-4-1996)

केन्द्रीय कार्यालय : श्री नन्दीश्वर फ्लोर मिल्स कम्पाउण्ड,

मिल रोड, ऐशबाग, लखनऊ-226004 (उ.प्र.)

फोन : + 91 522-2662589 + 91 522-2661021

मोबा. + 91 94151 08233

<dmahasabha@yahoo.com> www.jaingajat.com

स्थापित—
श्री वीर निर्वाण संवत् 2421
सन् 1894

कृपया यहां पर
अपना पासपोर्ट
आकार का
फोटो लगायें।

सदस्यता आवेदन फार्म (प्रतिज्ञा-पत्र)

महामंत्री,

श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा

महोदय,

मैं 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा' का केन्द्रीय स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि 10 वर्ष) राज्य स्तर पर आजीवन सदस्य (अवधि दस वर्ष) (सदस्यता श्रेणी टिक ✓ करें) बनना चाहता/चाहती हूँ। मैंने श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा की नियमावली का अवलोकन कर लिया है और मैं इसके उद्देश्यों एवं संविधान के नियम-उपनियमों से पूर्णरूपेण सहमत हूँ। मैं महासभा के नियम व उद्देश्य पालने एवं उसके प्रस्तावों के प्रचार करने और संस्था को हर प्रकार से सहायता पहुँचाने में सदा तत्पर रहूँगा/रहूँगी। मैं आगम विरुद्ध विचारों से सर्वथा असहमत हूँ। अतः मैं यह आवेदन सदस्यता शुल्क के साथ प्रस्तुत कर रहा/रही हूँ। सदस्यता शुल्क की राशि नगद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित)/मनीआर्डर/चेक/ड्राफ्ट/ऑनलाइन (स्क्रीन शॉट सहित) 'श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा, लखनऊ' के पक्ष में विचारार्थ भेज रहा/रही हूँ।

मेरा विवरण अधोगत है :

नाम :

जन्म तिथि :

पिता/पति का नाम :

जाति :

गौत्र :

व्यवसाय :

निवास का पूरा पता (पिन कोड सहित) :

फोन (एस.टी.डी.कोड सहित) : +91 मोबाइल नं. : +91

व्हाट्सएप्प नं : +91 ई-मेल:

कार्यालय का पता (पिन कोड सहित):

फोन (एस.टी.डी.कोड सहित) : +91

सदस्यता राशि रु..... (टिक ✓ करें) ऑनलाइन (स्क्रीन शॉट सहित)/नकद/अकाउण्ट में जमा (डिपोजिट स्लिप सहित)/ मनीआर्डर/चेक नं/ड्राफ्ट नं..... दिनांक:

देय बैंक/ब्रान्च का नाम :

आवेदक का नाम:..... हस्ताक्षर.....

स्थान : दिनांक:

कार्यालय उपयोग हेतु

सदस्यता संख्या..... सदस्यता श्रेणी..... राज्य

रु..... रसीद संख्या..... दिनांक..... सधन्यवाद प्रेषित

ह. एकाउण्टेंट/प्रबंधक ह. महामंत्री/कोषाध्यक्ष

॥Shri Aadinathay namah ||



Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha

Registered society vide registration (Rajasthani) no.18 dated 22-4-1996

Central office : Shri Nandishwar Floor Mills Compound

Mill Road, Aish Bagh, Lucknow - 226004

Phone +91 522 266 2589 +91 522 266 1021 Mobile +91 94151 08233

Whatsapp: +91 76079 21391

e-mail : <dmahasabha@yahoo.com> www.jaingajat.com

Established
Shri Veer Nirvan samvat 2421
Year 1894

Please post
your passport
size
photograph

MEMBERSHIP FORM

(Pledge letter)

Mahamantri

Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha,

Sir,

I want to become Life Member (duration 10 years) at National level Life Member (duration 10 years) at State level (tick ✓) of Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha.

I have read the Constitution of the Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha and I agree with its objectives and rules and regulations framed there under. I will follow the rules and objectives of Mahasabha and propagate its resolutions and always render all types of assistance to the Mahasabha. I am totally against anti- agam views. Hence, I am submitting application for the membership with prescribed dues. I am sending membership fee by cash/ deposit in account/ money order/cheque/bank draft/ online in favour of 'Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha, Lucknow' for consideration thereof .

My particulars are as follows :

Name: Date of birth:

Name of father/husband:

Caste: Gautra:

Occupation:

Residential address with pin code :

.....
.....

Phone with STD code: +91

Mobile No. +91 Whatsapp No+91

E-mail :

Address of Office with pin code :

.....
.....

Phone with STD code : +91

Membership fee Rs. (tick ✓) Cash/Deposit in account (with deposit slip)/ Money order/ Cheque/ Bank draft no..... Dated.....

Drawn on bank and branch.....

Online (with screenshot) dated.....

Name of applicant Signature

Place Dated

For office use

Membership No. Membership category. State.

Rs Receipt No. Dated. sent with thanks.

Signatures of Accountant/Manager

Signatures of General Secretary/Treasurer



"Mahasabha should remain committed as usual for protection of *dharma*. Never forget *dharma* and do any act against it. The way it has been following rules for protection of religion and culture, should continue to follow in totality."

The command given by param pujya Charitra Chakravarty Acharya Shri Shantisagar ji Maharaj on 26 August 1955.



Established in the year 1894, devoted to protection of *dharma*, traditions, culture, *arsha* parampara and *shashtras*, *jirnodhar* of ancient tirthas, conservation of ancient arts and manuscripts and rendering service to the society, the representative organisation of Digamber Jain samaj-Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha To cooperate by becoming its member and make others.

The rules and eligibility to become member :

1. Any digamber jain, male or female, who has attained 18 years of age.
2. Who signs its prescribed Pledge letter to follow the rules and objectives of the organization and declare his ever lasting disagreement with anti - *agam* views.

Membership fee of Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha

Life Member (duration 10 years) at National level Total fee (with subscription of Jain Gazette of Rs. 9,900/-) Rs. 11,000, to whom weekly news paper 'Jain Gazette' will be sent for 10 years.

Life Member (duration 10 years) at State level, Total fee Rs. 300/-, who will receive digital Jain Gazette for 10 years.

Sadasyta Vikas Upsamiti Membership Drive

Name who made member: Designation :.....
Place:.....MobileNo..... E-mail

Membership fee may be deposited in Account No. 2405 0001 000 33312 of Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha in the Punjab National Bank, Rajendra Nagar Branch, Lucknow or paid in cash in office or remitted by Money order/cheque/bank draft or online. Online Code for RTGS/NEFT/IFS is PUNB 0185 600.

Deposit slip /Screenshot/Cheque/ Bank Draft along with Membership Form may be sent at the following address:

**Central Office of Shri Bharatvarshiya Digamber Jain Mahasabha
Shri Nandishwar Floor Mills Compound, Mill Road, Aish Bagh, Lucknow - 226004 (U.P.)**

**Service to religion and society is in roots of Mahasabha.
To protect *arsha* tradition and *agam* is motto of Mahasabha.**